बातचीत

न. 01/2026 भारतीय थलसेना का प्रकाशन जनवरी 2026

नेटवर्किंग वर्ष और डेटा केंद्रितता 2026 - 27

भारतीय सेना में बदलाव का दशक: 2023 – 2032

समय-सीमा → तृतीय चरण

2023 | **2024 - 2025** | **2026 - 2032**

प्रयासों की एकरूपता

संपूर्ण सरकारी दृष्टिकोण

संरचनागत सहयोग
मंत्रालय, राष्ट्रीय एजेंसियां, शैक्षणिक संस्थान, उद्योग और नागरिक

परिवर्तन के पाँच स्तंभ

- संयुक्तता और एकीकरण
- सैन्य बल का पुनर्गठन
- आधुनिकीकरण एवं प्रौद्योगिकी समावेशन
- प्रणालियाँ, प्रक्रियाएँ एवं कार्य
- मानव संसाधन प्रबंधन

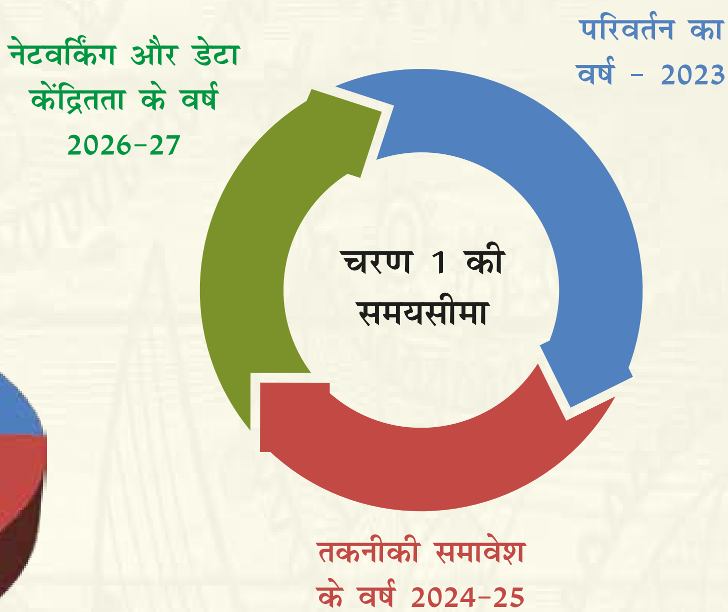

कार्य योजना: 465 योजनाएं

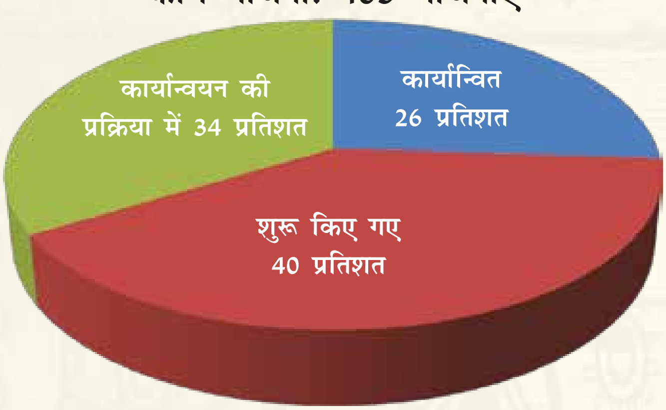

नेटवर्किंग और डेटा केंद्रितता

नेटवर्किंग और डेटा केंद्रितता का उद्देश्य

अंतर्राष्ट्रीय सेना को डेटा-संचालन, नेटवर्क में सक्षम और अपने भागीदारों के साथ पूर्णतः एकीकृत सेना में परिवर्तित करना।

परिवर्तन ढाँचे की संरचना

तीन परस्पर निर्भर आवश्यक तत्वों के लिए प्रयास की नीतियां

नेटवर्क

- प्लेटफॉर्म, प्रणालियों और सेंसर का एकीकरण
- नेटवर्क आधुनिकीकरण और लचीलापन
- एआई-सक्षम नेटवर्क प्रबंधन और साइबर सुरक्षा

डेटा

- डेटा आर्किटेक्चर और मानकीकरण
- डेटा गवर्नेंस, वर्गीकरण और सुरक्षा
- डेटा फ्यूजन और एकीकरण
- डेटा विश्लेषण और एआई-संचालित एनालिटिक्स

संस्थागत कार्यबल नेटवर्किंग

- आंतरिक नेटवर्किंग
- संयुक्त और अंतर-सेवा नेटवर्किंग
- राष्ट्रीय नेटवर्किंग और सैन्य-नागरिक एकीकरण
- सैन्य कूटनीति और अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्किंग
- प्रशिक्षण और नेतृत्व विकास

नेटवर्किंग और डेटा केंद्रितता की पूर्ण क्षमता

सिद्धांत

नेटवर्किंग और डेटा केंद्रितता के लिए साझा दृष्टिकोण, सामान्य मापदंड और मार्गदर्शक सिद्धांत प्रदान करना

अभियान की योजना

यह रणनीति को क्रियान्वयन से जोड़ेगी। यह उद्देश्यों की प्राप्ति, समय और स्थान के अनुसार कार्यों के क्रम निर्धारण और संसाधनों के अनुकूलन के लिए एक संरचित दृष्टिकोण प्रदान करेगी।

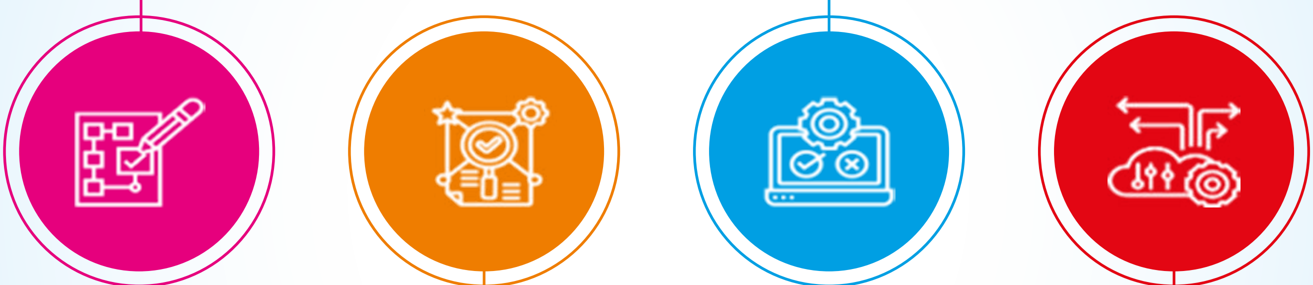

नीतियाँ

उद्देश्य को पूर्ण क्षमता की प्राप्ति की दिशा में लागू करने योग्य दिशा-निर्देशों में परिवर्तित करना। यह स्पष्टता, निरंतरता और जवाबदेही प्रदान करेगी, नेटवर्किंग और डेटा केंद्रितता की परिभाषित सीमाओं के अंतर्गत निर्णय लेने का मार्गदर्शन करेगी।

ऑपरेशंस कार्यान्वयन

योजनाओं को कार्यों में और उद्देश्य को परिणामों में परिवर्तित करना। यह वास्तविक परिस्थितियों में नेतृत्व, समन्वय और संसाधनों का उपयोग करेगी।

सीमाओं से परे एकीकरण: एक शक्ति - एक भविष्य - एक परिवार

अंतिम लक्ष्य

आधार

मानकीकरण

संपर्क

सुरक्षित संपर्क (कनेक्टिविटी)

एकीकरण

कमांड, नियंत्रण, संचार, कंप्यूटर, साइबर, खुफिया, निगरानी और टोही का संयोजन

लाभ

निर्णय लेने की श्रेष्ठता

योजनाएंः प्रौद्योगिकी का समावेशन

माननीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने 'डिजिटलीकरण 3.0 - बूट्स टू बाइट्स और टूवार्ड एआई रेडीनेस' शीर्षक से एक प्रकाशन जारी किया। इस प्रकाशन में 100 कार्यरत एप्लीकेशंस पर प्रकाश डाला गया है, जो भविष्य की डिजिटल तैयारी के प्रति सेना की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है, साथ ही सैन्य अधिकारियों के लिए एक एआई हैंडबुक भी जारी की गई है।

ईकाम एक एकीकृत ढांचे के तहत कई एआई मॉडल और एप्लीकेशंस को एकीकृत करते हुए परिचालन और प्रशासनिक क्षेत्रों में सुरक्षित, बुद्धिमान और स्केलेबल डिजिटल क्षमताएं प्रदान करता है।

प्रक्षेपण एक अत्याधुनिक सैन्य जलवायु विज्ञान एप्लीकेशन है, जो कई मंत्रालयों और भारतीय राष्ट्रीय एजेंसियों जैसे आईएमडी, एनसीएमआरडब्ल्यूएफ, सीडब्ल्यूसी, एनई एसएसी, जीएसआई और डीजीआरई के वैज्ञानिक और तकनीकी सहयोग से संचालित है। इसमें तीन पूर्वानुमान मॉड्यूल हैं - भूस्खलन पूर्वानुमान, बाढ़ पूर्वानुमान और हिमस्खलन पूर्वानुमान।

अनुमान इंगेज एप्लिकेशन दुश्मन के ठिकानों का वास्तविक समय में पता लगाने और जियो रेफरेंस लक्ष्य डेटा के साथ-साथ फोटो और वीडियो को निगरानी नियंत्रण केंद्र में आगे की कार्रवाई के लिए स्थानांतरित करने की सुविधा प्रदान करता है।

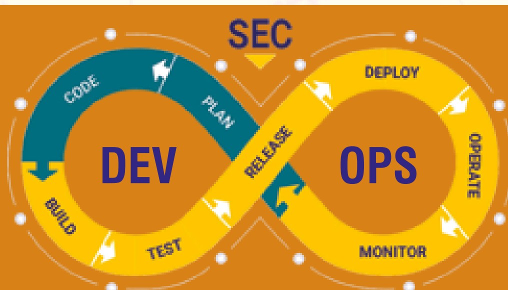

भारतीय सेना की सॉफ्टवेयर विकास एजेंसी को सीएमएमआई मैच्योरिटी लेवल 3 (एमएल 3) मान्यता प्राप्त हुई है, जो गुणवत्ता, प्रक्रिया मानकीकरण और निरंतर सुधार के प्रति इसकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

भारतीय सेना ने डेवसेकऑप्स (डेवलपमेंट, सिक्यूरिटी एंड ऑपरेशंस) को भी लागू किया है, जो एक परिवर्तनकारी दृष्टिकोण है जो सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट लाइफस्टाइल (एसडीएलसी) में सुरक्षा को एकीकृत करता है, जिसका उद्देश्य जीवन शैली के विकास को गति देना और संसाधन आवंटन को अनुकूलित करना है।

थलसेनाध्यक्ष पृष्ठ

अमेरिकी सेना के सचिव श्री डैनियल पी. ड्रिस्कॉल ने द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को मजबूत करने, सैन्य समन्वय को मजबूत करने और वैश्विक शांति एवं सुरक्षा के प्रति दोनों सेनाओं की साझा प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करने पर चर्चा की।

थलसेनाध्यक्ष ने 05 से 06 जनवरी 2026 को संयुक्त अरब अमीरात के दौरे के दौरान यूएई राष्ट्रीय रक्षा कॉलेज (एनडीसी) के अधिकारियों को संबोधित किया। उन्होंने बदलते वैश्विक सुरक्षा परिदृश्य और आधुनिक संघर्षों के बदलते स्वरूप पर प्रकाश डाला और आधुनिक युद्ध में प्रौद्योगिकी के महत्व को रेखांकित किया।

थलसेनाध्यक्ष ने नववर्ष 2026 के अवसर पर दिल्ली कैंट स्थित बेस अस्पताल का दौरा किया, जहां उन्होंने मरीजों से बातचीत की, उनके धैर्य की सराहना और सेवारत कर्मियों, पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों को समर्पित, करुणामय और पेशेवर देखभाल प्रदान करने के लिए चिकित्सा कर्मचारियों की प्रशंसा की।

थलसेनाध्यक्ष ने अपने 07 से 08 जनवरी, 2026 को श्रीलंका दौरे के दौरान कोलंबो में श्रीलंका सेना मुख्यालय में गार्ड ऑफ ऑनर का निरीक्षण किया। उन्होंने श्रीलंका सेना के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल बीकेजीएम लासंथा रोड्रिगो से बातचीत की।

थलसेनाध्यक्ष ने 14 जनवरी 2026 को नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) गणतंत्र दिवस शिविर 2026 का दौरा किया और सेना, नौसेना और वायु सेना के एनसीसी कैडेटों द्वारा प्रस्तुत 'गार्ड ऑफ ऑनर' का निरीक्षण किया।

सूबेदार मेजर दुर्गेश सिंह को 1 जनवरी 2026 को आर्मी सूबेदार मेजर नियुक्त किया गया, जो इस पद को संभालने वाले दूसरे अधिकारी हैं, जिससे नेतृत्व और सैनिकों के बीच संबंध मजबूत हुआ है।

दो सदस्यीय सामरिक हवाई वाहन (आईडेक्स) -
दोहरा उपयोग - वायु एम्बुलेंस, वायु टैक्सी, पर्यावरण-पर्यटन और आतिथ्य।

500 मेगावाट क्रायोकूलर -
दोहरा उपयोग - अंतरिक्ष दूरबीन, चिकित्सा प्रणाली, सुपरकंडक्टिंग पावर ग्रिड, क्वांटम कंप्यूटिंग।

तुर्की-पाकिस्तानी वाईआईएचए-3 कामिकाजी यूएवी पकड़ा गया।

विजय दिवस समारोह

उद्देश्य

1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में मिली निर्णायक जीत का स्मरण करना और स्वदेशी रूप से विकसित नागरिक-सैन्य दोहरे उपयोग वाली प्रौद्योगिकी का प्रदर्शन करना।

विषय

स्वदेशीकरण के माध्यम से भारतीय सेना का क्षमता विकास।

अवधारणा

प्रौद्योगिकी समावेशन वर्ष (2024-25) का सारांश, जय (जोइंटनेस आत्मनिर्भरता, इनोवेशन) संयुक्तता, आत्मनिर्भरता और नवाचार के समग्र दृष्टिकोण के अनुरूप।

एलईओ/एमईओ/सैटेलाइट बैकहॉल कनेक्टिविटी -
संभव - दोहरा उपयोग - सरकारी विभाग, कानून प्रवर्तन एजेंसियां, ग्रामीण कनेक्टिविटी, मानवीय सहायता और आपदा राहत।

फायर फाइटिंग बॉट (आईडेक्स) का दोहरा उपयोग -
औद्योगिक परिसर, हवाई अड्डे का बुनियादी ढांचा, समुद्री बुनियादी ढांचे की सुरक्षा और मानवीय सहायता एवं आपदा राहत।

क्वाड बाइक/एटीवी का दोहरा उपयोग -
ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में आवागमन, कृषि एवं पर्यटन।

ड्रोन तकनीक के माध्यम से महिलाओं का सशक्तिकरण।

77वां गणतंत्र

मिश्रित स्काउट्स मार्चिंग दल

राष्ट्रपति का आगमन

सूर्यास्त्र - यूनिवर्सल रॉकेट लॉन्चर

कर्तव्य पथ पर पुष्प वर्षा

रोबोटिक कुत्ते और मानवरहित जमीनी वाहन (यूजीवी)

आकाश (सतह से वायु में मार करने वाली मिसाइल)

दिवस समारोह

यूरोपीय संघ दल

हिम योद्धा

सारथ – बीएमपी-II इन्फेंट्री लड़ाकू वाहन (आईसीवी)

ब्रह्मोस – सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल हथियार प्रणाली

लॉन्चर

इन्फेंट्री विशेष बल – सभी भूभाग क्षेत्रों में चलने वाला वाहन

संक्षिप्त समाचार

टाइगर डिवीजन ने 6 जनवरी 2026 को सूबेदार मेजर और मानद कप्तान बाना सिंह, परम वीर चक्र, को उनके 77वें जन्मदिन पर हार्दिक बधाई दी और 1987 में सियाचिन में मेघदूत ऑपरेशन के दौरान प्रदर्शित उनके अदम्य साहस और सर्वोच्च वीरता को सम्मानित किया।

78वें सेना दिवस से पहले, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने तीनों सेना प्रमुखों के साथ राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर शहीद वीरों को श्रद्धांजलि अर्पित की और अपने बहादुर सैनिकों के प्रति राष्ट्र की अटूट कृतज्ञता को दोहराया।

भारतीय सेना के निशानेबाजों ने दिल्ली और भोपाल में 10 दिसंबर 2025 से 4 जनवरी 2026 तक आयोजित 68वीं राष्ट्रीय शूटिंग चौंपियनशिप 2025 में सभी स्पर्धाओं में शानदार प्रदर्शन करते हुए 11 स्वर्ण, 6 रजत और 8 कांस्य पदक जीते।

भारतीय सेना की आइस हॉकी टीम ने 26 जनवरी 2026 को लेह के एनडीएस स्टेडियम में आयोजित खेलो इंडिया आइस हॉकी चौंपियनशिप 2026 के फाइनल में शानदार जीत हासिल की।

भारतीय सेना और लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय के बीच 23 जनवरी 2026 को एक समझौते (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौते का उद्देश्य भारतीय सेना की बेस वर्कशॉप और कोर जोन वर्कशॉप तथा लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय के अधीन कार्यरत 33 प्रौद्योगिकी केंद्रों के बीच सहयोग को बढ़ावा देना है।

भारतीय सेना और एचडीएफसी बैंक ने सेवारत और सेवानिवृत्त भारतीय सेना कर्मियों को दुर्घटना में मृत्यु या विकलांगता की स्थिति में बैंकिंग सेवाएं और व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा (पीएआई) मुआवजा प्रदान करने के लिए अपने समझौते का नवीनीकरण किया। यह समझौता अग्निवीरों और पेंशनभोगियों सहित सभी सेवारत कर्मियों के लिए ₹1 करोड़ के विस्तारित पीएआई कवर का प्रावधान करता है।

संक्षिप्त समाचार

लेफ्टिनेंट जनरल पुष्पेंद्र सिंह, वीसीओएएस ने 2 जनवरी 2026 को पुणे में लार्सन एंड टुब्रो और भारत फोर्ज रक्षा केंद्रों का दौरा किया और आत्मनिर्भर भारत के तहत युद्ध तैयारी को मजबूत करने में स्वदेशी प्रौद्योगिकियों की भूमिका पर प्रकाश डाला।

मुख्यालय मुख्य अभियंता शिलांग जोन ने मुख्यालय 101 क्षेत्र और मुख्यालय मुख्य अभियंता पूर्वी कमान के तत्वावधान में 16 और 17 जनवरी 2026 को 'ऊर्जा लेखापरीक्षा और अनुकूलन रणनीतियों' पर दो दिवसीय तकनीकी संगोष्ठी का आयोजन किया।

आईएनएस हमला के अधिकारियों, जिनमें मित्र देशों (एफएफसी) के 16 अधिकारी भी शामिल थे, ने 16 और 17 जनवरी 2026 को दो दिवसीय ओरिएंटेशन के लिए बेंगलुरु स्थित एएससी सेंटर एंड कॉलेज एएससीसी एंड सी का दौरा किया।

देश भर में मनाए जा रहे 10वें वेटरंस दिवस के उपलक्ष्य में, उत्तरी कमान के सहयोग से ध्रुव मोटरसाइकिल रैली का आयोजन किया गया। रैली को 5 जनवरी 2026 को उधमपुर से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया और यह 13 जनवरी 2026 तक जम्मू क्षेत्र से होकर गुजरेगी।

भारतीय सेना के हाई अल्टीट्यूड वारफेयर स्कूल (एचएडब्ल्यूएस) ने किर्गिस्तान सशस्त्र बलों के सदस्यों के लिए दो सप्ताह का एक गहन विशेष पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न किया, जो अत्यधिक ऊंचाई वाले इलाकों और प्रतिकूल मौसम की स्थितियों में आयोजित किया गया था। प्रशिक्षण में सैन्य स्कीइंग, घायलों की निकासी, हिमस्खलन बचाव और रिकवरी अभ्यास और उच्च ऊंचाई संबंधी बीमारी के प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित किया गया था।

मिलिट्री इंजीनियरिंग सर्विस (एमईएस) के इंजीनियरों ने लेह वायुसेना स्टेशन पर अत्यधिक ठंड की परिस्थिति और दुर्गम उच्च ऊंचाई वाले क्षेत्र में मात्र 21 महीनों के रिकॉर्ड समय में विश्वस्तरीय हवाई पट्टी का निर्माण किया है। इससे सामरिक तैयारियों को सुदृढ़ करने के साथ-साथ क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा मिलता है तथा यह एमईएस भारतीय वायुसेना तथा केंद्रशासित प्रदेश लद्दाख के बीच उत्कृष्ट समन्वय का एक उदाहरण है।

संक्षिप्त समाचार

पूर्वी कमान ने 23 जनवरी 2026 को विजय दुर्ग, कोलकाता में एक संयुक्त सम्मेलन आयोजित किया, जिसमें भारतीय सेना, भारतीय नौसेना, भारतीय वायु सेना, सीएपीएफ और इस विषय के विशेषज्ञों ने भाग लिया।

आपदा राहत, जन सुरक्षा और सशस्त्र बलों तथा नागरिक एजेंसियों के बीच समन्वय बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करते हुए, दक्षिणी कमान के अंतर्गत दिघी हिल्स रेंज में 12 जनवरी 2026 को 'सांझा शक्ति' अभ्यास का आयोजन किया गया।

भारतीय सेना और सीआईएसएफ के बीच दो सप्ताह का संयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम दक्षिणी कमान के तत्वावधान में 31 जनवरी 2026 को पुणे में 'एकता शक्ति' अभ्यास के साथ संपन्न हुआ, जिसने समकालीन सुरक्षा चुनौतियों के लिए निर्बाध सैन्य-नागरिक समन्वय को सुदृढ़ किया।

दक्षिण पश्चिमी कमान के डॉट ऑन टारगेट डिवीजन ने 30 जनवरी 2026 को महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में वायु रक्षा मिसाइल फायरिंग का अभ्यास किया, जो सटीकता, उच्च परिचालन तैयारी और राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

खरगा कोर द्वारा आयोजित एकीकृत वार्षिक वायु रक्षा फायरिंग अभ्यास 'ऐरावत वायु कवच' का आयोजन 24 जनवरी 2026 को महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में किया गया।

वैरेन्टे स्थित सीआईजेडब्ल्यू स्कूल ने 24 जनवरी 2026 को एक संयुक्त काउंटर-ड्रोन कैप्सूल का आयोजन किया, जिसमें सीआरपीएफ और मिजोरम पुलिस कर्मियों ने भाग लिया। इसका उद्देश्य उभरते ड्रोन आधारित खतरों का मुकाबला करने के लिए संयुक्त तैयारी, समन्वित योजना और प्रतिक्रिया तंत्र को मजबूत करना था।

गादरा शहर की लड़ाई
दिसंबर 1971

4-5 दिसंबर 1971 की रात को लड़ी गई गादरा सिटी की लड़ाई पश्चिमी क्षेत्र की महत्वपूर्ण लड़ाइयों में से एक थी। बाड़मेर-गदरा-नया चोर एक्सिस के साथ हैदराबाद के खतरे का बाड़मेर सेक्टर में गडरा शहर एक महत्वपूर्ण स्थान था। 03 दिसंबर 1971 को, 15 कुमाऊं (इंदौर) को 11 इन्फैंट्री डिवीजन के हिस्से के रूप में गडरा शहर पर कब्जा करने का काम सौंपा गया था।

03 दिसंबर 1971 को 2000 बजे, जैसे ही बटालियन एकत्रित होने वाले स्थान की ओर बढ़ी, दुश्मन ने हमले में देरी करने के लिए यूनिट पर हवाई हमला किया। बटालियन ने 04 दिसंबर 1971 को 1800 बजे अंतर्राष्ट्रीय सीमा पार की। ऑपरेशन के पहले चरण में, मेजर सुनहारा सिंह के नेतृत्व में डी कंपनी ने लक्ष्य पर कब्जा करने के लिए दुश्मन की रक्षा पंक्ति के पूर्वी हिस्से पर हमला किया। हालांकि, दुश्मन के एक एमएमजी बंकर ने कंपनी के हमले को रोक दिया और हमला करने वाले सैनिकों पर भारी गोलाबारी की। लांस नायक दुर्गा दत्त (हमला करने वाले दस्ते का हिस्सा) एमएमजी से निपटने के लिए आगे बढ़े और एक हथगोला फेंका जिसने बंकर को नष्ट कर दिया। तभी दूसरे बंकर में जाते समय स्वचालित हथियार के फटने से वह घायल हो गए। बहादुर एनसीओ ने आगे बढ़ना जारी रखा और दूसरे बंकर को भी बर्बाद कर दिया। बाद में वह अपनी चोटों के कारण वीरगति को प्राप्त हो गए।

गादरा शहर की लड़ाई के अंतिम चरण में, शहर के दक्षिण में दुश्मन की मुख्य सुरक्षा 'ए' और 'डी' कंपनियों द्वारा निपटना था। भारी गोलाबारी के बीच अभियान एफयूपी की ओर बढ़ा और जब जवान हमले के लिए तैयार हुए तो उन्हें दुश्मन की मध्यम और हल्की मशीनगनों की भारी गोलीबारी का सामना करना पड़ा। एक त्वरित आक्रमण ही एकमात्र तरीका था; इससे हताहतों की संख्या कम हुई। हालांकि, 'ए' कंपनी की रिजर्व प्लाटून दुश्मन की प्रभावी गोलाबारी में फंस गई और भारी जनहानि हुई। टीले के बाद टीले पार करते हुए, जवानों ने अपने रास्ते में गोली-बक्सों को नष्ट करते हुए आगे बढ़े। यह आमने-सामने की अच्छी खासी लड़ाई थी। लड़ाई दो घंटे से अधिक समय तक चली। लड़ाई के अंतिम चरण के दौरान, गोलीबारी में कुछ कमी आई लेकिन हमला करने वाली कंपनियों के साथ कोई सिग्नल संचार स्थापित नहीं किया जा सका। फिर सुबह के आकाश की ओर तीन हरी बत्तियों की उत्साहपूर्ण चमक दिखाई दी, जिसने गदरा शहर पर विजय और कब्जे की पुष्टि की।

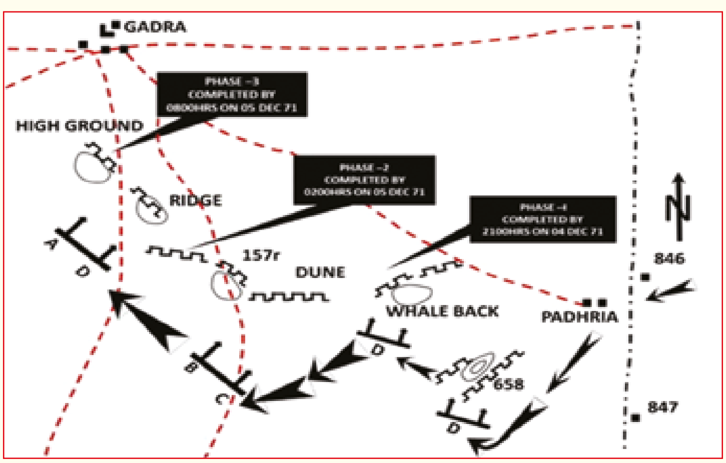

इसके बाद बटालियन को दली की ओर बढ़ने का काम सौंपा गया, माना जाता है कि टैंक और तोपखाने द्वारा सहयोग से दो कंपनियों के साथ यह जिम्मेदारी दी गई थी। हमला 07 दिसंबर 1971 को 0100 बजे शुरू किया गया था। चूंकि दुश्मन के पास लड़ने की कोई इच्छाशक्ति नहीं रही थी, इसलिए वह 15 जवानों को खोने के बाद पीछे हट गया। अगला लक्ष्य बागल भी दुश्मन द्वारा खाली कर दिया गया था और ऐसा लग रहा था कि वह निराश था और नया चोर से वापस जा रहा था। डाली और बागल में बटालियन द्वारा बड़ी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किए गए।

लड़ाई का सफल परिणाम कमांडिंग ऑफिसर द्वारा बनाई गई प्रभावी योजना और जोखिमों का आंकलन करने के कारण प्राप्त हुआ था। कनिष्ठ नेतृत्व अनुकरणीय था और अधिकारियों एवं जूनियर कमीशंड ऑफिसर ने आगे बढ़कर अपने लोगों का नेतृत्व किया। इस वीरतापूर्ण कार्य के लिए, बटालियन को 02 वीर चक्र, 04 सेना मेडल और 03 मेंशन-इन-डिस्पैच से सम्मानित किया गया और इसके साथ 'गादर सिटी' के युद्ध सम्मान और थिएटर सम्मान 'सिंड' से भी सम्मानित किया गया।

विज्ञप्ति

एफपीओ के माध्यम से एनसीईआरटी पुस्तकें

सैन्य सेवा कर्मियों के बच्चों के लिए अग्रिम/दूर-दराज के क्षेत्रों में पुस्तकों के वितरण हेतु एनसीईआरटी के साथ समझौता

दूरस्थ सैन्य चौकियों में तैनात सैन्य कर्मियों के बच्चों को एनसीईआरटी पुस्तकें उपलब्ध कराने के निरंतर प्रयासों के तहत, प्रथम चरण में कुल 52 सैन्य चौकियों की पहचान की गई है। मार्च 2026 तक इस सुविधा का विस्तार करते हुए 40 और चौकियों को शामिल किया जा रहा है। अब तक शामिल की गई 52 चौकियों में, सैन्य कर्मियों के बच्चों को बिक्री के लिए कुल 1,07,814 पुस्तकें उपलब्ध कराई जा चुकी हैं।

सभी रक्षा कर्मी अपने निकटतम एफपीओ से रियायती दरों पर एनसीईआरटी पुस्तकें प्राप्त कर सकते हैं। वर्तमान में, यह सुविधा देश भर की निम्नलिखित 52 सैन्य चौकियों में उपलब्ध है:-

अखनूर	भुज	जैसलमेर	मामूम	पुणे
इलाहाबाद	बिनागुरी	जामनगर	मंत्रिपुखरी	रांची
अलोंग	चंडीगढ़	जोधपुर	मथुरा	श्रीगंगानगर
अलवर	क्लेमेंट टाउन	जोरहाट	महू	तवांग
अमृतसर	डलहौजी	कलिम्पोंग	मीरां साहिब	टेंगा
बबीना	दीमापुर	कैम्पटी	नगरोटा	तेजपुर
बरेली	दिनजान	कोहिमा	नारंगी	उधमपुर
बीबी कैंट	फरीदकोट	कोटा	नई दिल्ली	वेलिंगटन
बीडी बारी	फाजिल्का	लालगढ़ जट्टान	श्रीनगर	
ब्यास	गंगटोक	लैंसडाउन	पठानकोट	
बैंगडुबी	ग्वालियर	लखनऊ	पिथौरागढ़	

इस सुविधा का दूसरे चरण में निम्नलिखित चौकियों तक विस्तार किया जा रहा है:-

अबोहर	छत्रपति शंभाजी नगर	हिसार	मिस्सामारी	सिलचर
अहमदनगर	दानापुर	हैदराबाद	नलिया	सिंगारसी
आइजवाल	धार रोड	झांसी	नसीराबाद	सुकना
बनबसा	धरंगधारा	जोशीमठ	पालमपुर	त्रिवेंद्रम
बैंगलोर	धर्मशाला	कानपुर	राजौरी	तुएनसांग
बाड़मेर	फिरोजपुर	लेह	सागर	उखरुल
भोपाल	गया	लेइमाखोंग	सांबा	योल
चबुआ	हासीमारा	लोहितपुर	सेवोक रोड	

जानकारी के लिए संपर्क करें

प्रकाशक: स्ट्रेटजिक कम्युनिकेशन, रक्षा मंत्रालय (सेना), आईएचक्यू का अतिरिक्त महानिदेशालय

संपादक बातचीत ईमेल: editorbaatcheet@gmail.com

संपर्क नंबर: 011-23018665

प्रिंटर: एनीथिंग प्रिंटर, **फोन:** 011-45685718

BAATCHEET

Visit us at indianarmy.nic.in | @Indianarmy.adgpi | @adgpi | ADGPI-INDIANARMY | @Indianarmy.adgpi